



सत्यमेव जयते

आयुक्त का कार्यालय, (अपीलस)
Office of the Commissioner,



केंद्रीय जीएसटी, अहमदाबाद आयुक्तालय
Central GST, Appeal Commissionerate- Ahmedabad
जीएसटी भवन, राजस्व मार्ग, अम्बावाड़ी अहमदाबाद ३८००१५.
CGST Bhavan, Revenue Marg, Ambawadi, Ahmedabad 380015
079-26305065 टेलीफैक्स : 079 - 26305136

By speed Post

क फाइल संख्या : File No : V2(GST)52/EA2/North/Appeals/2018-19 / 11015 to 11020

ख अपील आदेश संख्या : Order-In-Appeal No.: AHM-EXCUS-002-APP-JC-02-18-19

दिनांक Date : 14/05/2019 जारी करने की तारीख Date of Issue: 06/06/2019

श्री उमाशंकर आयुक्त (अपील) द्वारा पारित

Passed by **Shri Sachin Gusia** Joint Commissioner (Appeals) Ahmedabad

ग _____ आयुक्त, केन्द्रीय GST, अहमदाबाद North आयुक्तालय द्वारा जारी मूल आदेश : दिनांक : से सृजित

Arising out of Order-in-Original: AA241117985401A, Date: 14/09/2018 Issued by:
Assistant Commissioner, CGST, Div: V, Ahmedabad North.

घ अपीलकर्ता एवं प्रतिवादी का नाम एवं पता

Name & Address of the Appellant & Respondent

M/s. Bipin Industries

कोई व्यक्ति इस अपील आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील या पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

I. Any person aggrieved by this Order-In-Appeal issued under the Central Excise Act 1944, may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way :

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन :

Revision application to Government of India :

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा अंतर्गत नीचे बताए गए मामलों के बारे में पूर्वोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परन्तुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अवर सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली : 110001 को की जानी चाहिए।

(i) A revision application lies to the Under Secretary, to the Govt. of India, Revision Application Unit Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi - 110 001 under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid :

(ii) यदि माल की हानि के मामले में जब ऐसी हानि कारखाने से किसी भण्डागार या अन्य कारखाने में या किसी भण्डागार से दूसरे भण्डागार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भण्डागार या भण्डार में चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भण्डागार में हो माल की प्रक्रिया के दौरान हुई हो।

(ii) In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse.

(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामलों में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।

(b) In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।
(c) In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.



(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामलों में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।

(b) In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।

(c) In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं.2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हों।

(d) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनांक से तीन मास के भीतर मूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ. का मुख्यशीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(2) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्न रकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

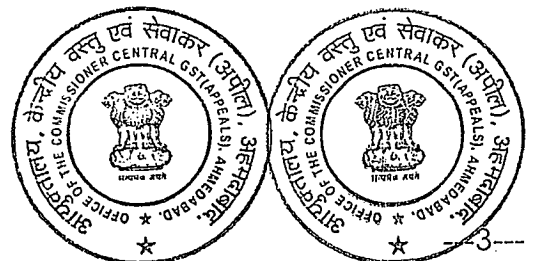
सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील:-
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-बी/35-इ के अंतर्गत:-

Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

(क) उक्तलिखित परिच्छेद 2 (1) क में बताए अनुसार के अलावा की अपील, अपीलो के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में ओ-20, न्यू मेटल हॉस्पिटल कम्पाउण्ड, मेघानी नगर, अहमदाबाद-380016

(a) To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-20, New Metal Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad : 380 016. in case of appeals other than as mentioned in para-2(i) (a) above.



The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registrar of a branch of any nominate public sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated.

- (3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

- (4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूची-1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूल आदेश यथास्थिति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रति पर रु.6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

- (5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

- (6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट), के प्रति अपील के मामले में कर्तव्य मांग (Demand) एवं दंड (Penalty) का 10% पूर्व जमा करना अनिवार्य है। हालांकि, अधिकतम पूर्व जमा 10 करोड़ रुपए है। (Section 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर के अंतर्गत, शामिल होगा "कर्तव्य की मांग"(Duty Demanded) -

- (i) (Section) खंड 11D के तहत निर्धारित राशि;
- (ii) लिया गलत सेनवैट क्रेडिट की राशि;
- (iii) सेनवैट क्रेडिट नियमों के नियम 6 के तहत देय राशि.

⇒ यह पूर्व जमा 'लंबित अपील' में पहले पूर्व जमा की तुलना में, अपील दाखिल करने के लिए पूर्व शर्त बना दिया गया है .

For an appeal to be filed before the CESTAT, 10% of the Duty & Penalty confirmed by the Appellate Commissioner would have to be pre-deposited, provided that the pre-deposit amount shall not exceed Rs.10 Crores. It may be noted that the pre-deposit is a mandatory condition for filing appeal before CESTAT. (Section 35 C (2A) and 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

इस इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

6(I) In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty where penalty alone is in dispute."

II. Any person aggrieved by an Order-In-Appeal issued under the Central Goods and Services Tax Act,2017/Integrated Goods and Services Tax Act,2017/ Goods and Services Tax(Compensation to states) Act,2017,may file an appeal before the appropriate authority



ORDER IN APPEAL

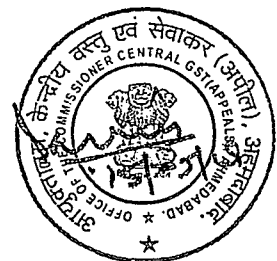
This departmental appeal is filed under Section 107 of the Central Goods and Services Tax Act, 2017, against OIO Reference No. AA241117985401A dated 14.9.2018, passed by the Assistant Commissioner, Division V, Ahmedabad North Commissionerate [for short – 'adjudicating authority'] in terms of Review Order No. 69/2018-19 dated 11.3.2019, passed by the Principal Commissioner, CGST and Central Excise, Ahmedabad North Commissionerate.

2. Briefly, the facts are that M/s. Bipin Industries, Opposite Grain Market, Bavla, Ahmedabad, holding GST No. 24AADFB5150D1Z3, [for short – respondent] had filed a refund application on 8.6.2018 for refund of Rs. 2,04,750/- towards CGST and Rs. 2,04,752/- towards SGST, for the month of November 2017. Thereafter, vide his letter dated 18.7.2018, the respondent revised the claim amount to Rs. 1,76,360/- towards CGST and Rs. 1,76,360/- towards SGST. The refund claim was filed in respect of input tax credit, accumulated due to inverted tax structure under Section 54 of the Central Goods and Services Tax Act, 2017 read with Rule 89 of the Central Goods and Services Tax Rules, 2017. Vide the aforementioned impugned OIO dated 14.9.2018, the adjudicating authority sanctioned the refund of Rs. 1,76,360/- towards CGST and Rs. 1,76,360/- towards SGST.

3. On the refund claims being sent for post audit, it was observed that the adjudicating authority had erroneously sanctioned the refund claims. Thereafter on the impugned order-in-original, having been examined for its legality and propriety, the Commissioner, CGST, North Commissionerate, vide his aforementioned Review Order, directed the adjudicating authority, to file the aforementioned appeal raising the following grounds:

- refund under section 54(3)(ii) of the CGST Act, 2017, is eligible only if the credit is accumulated on account of the rates of tax on inputs being higher than the rates of tax on the output supplies for claiming refund on unutilized credit;
- that in the present case the rate of tax on input viz *cotton seeds* is equal to the rate of tax on output i.e. *cotton seed oil*; that since the rate of tax on input and output being same @ 5%, the respondent, cannot claim refund of the unutilized tax credit;
- that the respondent has availed credit on input of PP bags [18%], amounting to Rs. 3,252/- each towards CGST and SGST; that since this input is used only for packing of their exempted goods, the claimant is not eligible for refund of the unutilized credit accumulated by this higher rated input;
- that the erroneous refund sanctioned by the adjudicating authority amounting to Rs. 1,76,360/- towards CGST and Rs. 176360/- towards SGST, needs to be recovered along with interest.

4. Personal hearing in the departmental appeal was held on 30.4.2019, wherein Shri Hiren Patel, Partner of the respondent appeared before me. He did not submit anything during the personal hearing.



5. I have gone through the facts of the case and the grounds raised in the departmental review order. I have also taken note of the fact that the respondent has neither filed his cross objections nor pleaded anything before me during the course of personal hearing.

6. Since the respondent has nothing to state, it can be fairly assumed that they are not contesting the appeal on merits.

7. Relevant extracts of Section 54 of the CGST Act, 2017, states as follows:

Section 54. Refund of tax. — (1) Any person claiming refund of any tax and interest, if any, paid on such tax or any other amount paid by him, may make an application before the expiry of two years from the relevant date in such form and manner as may be prescribed :

Provided that a registered person, claiming refund of any balance in the electronic cash ledger in accordance with the provisions of sub-section (6) of section 49, may claim such refund in the return furnished under section 39 in such manner as may be prescribed.

(2) A specialised agency of the United Nations Organisation or any Multilateral Financial Institution and Organisation notified under the United Nations (Privileges and Immunities) Act, 1947 (46 of 1947), Consulate or Embassy of foreign countries or any other person or class of persons, as notified under section 55, entitled to a refund of tax paid by it on inward supplies of goods or services or both, may make an application for such refund, in such form and manner as may be prescribed, before the expiry of six months from the last day of the quarter in which such supply was received.

(3) Subject to the provisions of sub-section (10), a registered person may claim refund of any unutilised input tax credit at the end of any tax period :

Provided that no refund of unutilised input tax credit shall be allowed in cases other than —

(i) zero rated supplies made without payment of tax;

(ii) where the credit has accumulated on account of rate of tax on inputs being higher than the rate of tax on output supplies (other than nil rated or fully exempt supplies), except supplies of goods or services or both as may be notified by the Government on the recommendations of the Council :

Provided further that no refund of unutilised input tax credit shall be allowed in cases where the goods exported out of India are subjected to export duty :

Provided also that no refund of input tax credit shall be allowed, if the supplier of goods or services or both avails of drawback in respect of central tax or claims refund of the integrated tax paid on such supplies.

[emphasis supplied]

7.1 The departmental ground is that in the present case, the rate of tax on input of the respondent viz *cotton seeds* is equal to the rate of tax on output i.e. *cotton seed oil* since both were taxed @ 5%. Further, the respondent has availed credit on input of PP bags [18%], amounting to Rs. 3,252/- each towards CGST and SGST but since this input is used only for packing of their exempted goods, the claimant is not eligible for refund of the unutilized credit accumulated by this higher rated input. Therefore, in terms of Section 54(3)(ii) of the CGST Act, 2017, the respondent, cannot claim refund of the unutilized tax credit since it is not a case wherein the accumulation is on account of rate of tax on inputs being higher than the rate of tax on output supplies. On going through Section 54 and Rule 89, *ibid*, I find that the grounds raised in the review order, are legally tenable. Therefore, the impugned OIO dated 14.9.2018, granting refund of Rs. 1,76,360/- towards CGST and Rs. 1,76,360/- towards SGST, is erroneous and requires to be set aside.



8. In view of the foregoing, the departmental appeal is allowed and the impugned OIO is set aside. The prayer of the department for the recovery of the erroneous refund along with interest is also allowed.

9. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।
9. The appeal filed by the department-appellant stands disposed of in above terms.

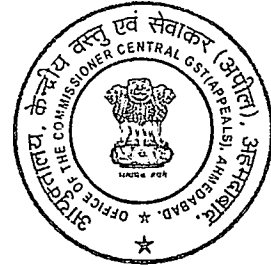
(Handwritten Signature)
(साचिन गुप्ता)

संयुक्त आयुक्त (अपील्स)

Date : 14.5.2019

Attested

(Handwritten Signature)
(Vinod Lukose)
Superintendent (Appeal),
Central Tax,
Ahmedabad.



By RPAD.

To,
M/s. Bipin Industries,
Opposite Grain Market,
Bavla,
Ahmedabad.

Copy to:-

1. The Chief Commissioner, Central Tax, Ahmedabad Zone .
2. The Commissioner, SGST, Government of Gujarat, Rajya Kar Bhavan, Ashram Road, Ahmedabad- 380 009.
3. The Commissioner, Central Tax, Ahmedabad North Commissionerate.
4. The Assistant Commissioner, Central Tax Division- V, Ahmedabad North Commissionerate.
5. The Assistant Commissioner, System, Central Tax, Ahmedabad North Commissionerate.
- ✓ 6. Guard File.
7. P.A.